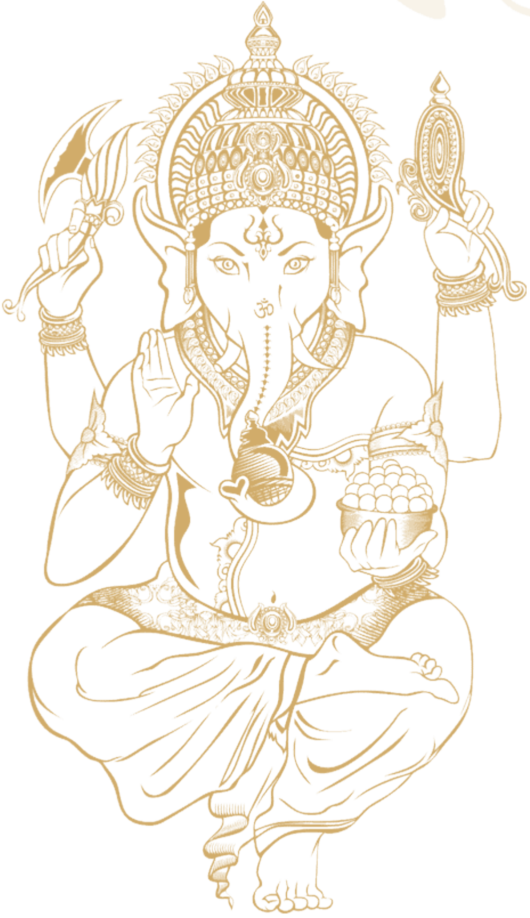

Tejasvi soni

23 Feb 2003

03:50 PM

Hyderabad

Model: web-freekundliweb

Order No: 121542102

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**23/02/2003**
दिन	रविवार
जन्म समय	**15:50:00 घंटे**
इष्ट	22:57:18 घटी
स्थान	**Hyderabad**
राज्य	Telangana
देश	India

अक्षांश	17:22:00 उत्तर
रेखांश	78:26:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:16:16 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	15:33:44 घंटे
वेलान्तर	-00:13:28 घंटे
साम्पातिक काल	01:45:20 घंटे
सूर्योदय	06:39:04 घंटे
सूर्यास्त	18:20:31 घंटे
दिनमान	11:41:27 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	10:28:58 कुम्भ
लग्न के अंश	06:45:55 कर्क

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कर्क - चन्द्र
राशि-स्वामी	**वृश्चिक - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**अनुराधा - 2**
नक्षत्र स्वामी	शनि
योग	व्याघात
करण	बालव
गण	देव
योनि	मृग
नाड़ी	मध्य
वर्ण	विप्र
वश्य	कीटक
वर्ग	सर्प
युँजा	मध्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	नी-नीरज
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मीन

एक्स-35, ओखला फेज-2, नई दिल्ली-110020 फोनः- 011-40541000, 40541020
Web: www.futurepointindia.com, e-mail: mail@futurepointindia.com

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कर्क	06:45:55	323:28:24	पुष्य	2	8	चंद्र	शनि	बुध	---
सूर्य			कुंभ	10:28:58	01:00:24	शतभिषा	2	24	शनि	राहु	शनि	शत्रु राशि
चंद्र			वृश्चिक	07:01:03	13:58:09	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	बुध	नीच राशि
मंगल			धनु	00:03:33	00:38:26	मूल	1	19	गुरु	केतु	केतु	मित्र राशि
बुध			मक	20:45:16	01:30:24	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	शुक्र	सम राशि
गुरु	व		कर्क	16:33:02	00:06:44	पुष्य	4	8	चंद्र	शनि	गुरु	उच्च राशि
शुक्र			धनु	27:46:55	01:10:02	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	चंद्र	सम राशि
शनि			वृष	28:14:22	00:00:08	मृगशिरा	2	5	शुक्र	मंगल	शनि	मित्र राशि
राहु	व		वृष	10:11:02	00:00:02	रोहिणी	1	4	शुक्र	चंद्र	चंद्र	मित्र राशि
केतु	व		वृश्चिक	10:11:02	00:00:02	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	शुक्र	मित्र राशि
हर्ष			कुंभ	05:13:46	00:03:27	धनिष्ठा	4	23	शनि	मंगल	सूर्य	---
नेप			मक	17:38:20	00:02:08	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	शनि	---
प्लूटो			वृश्चिक	25:50:22	00:00:55	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	राहु	---
दशम भाव			मेष	04:26:46	--	अश्विनी	--	1	मंगल	केतु	चंद्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:53:49

लग्न-चलित

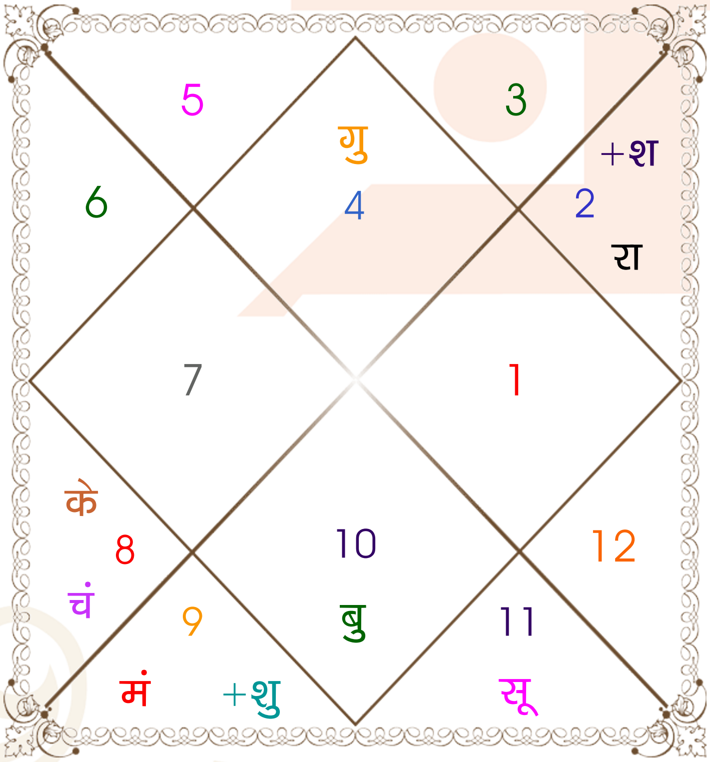

चन्द्र कुंडली

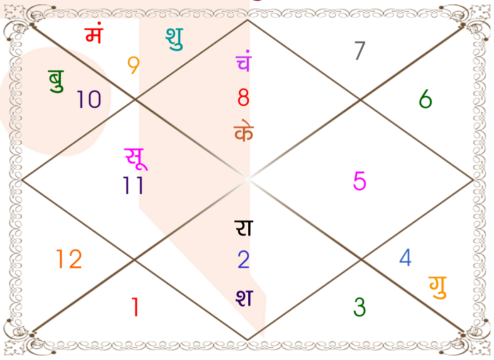

नवमांश कुंडली

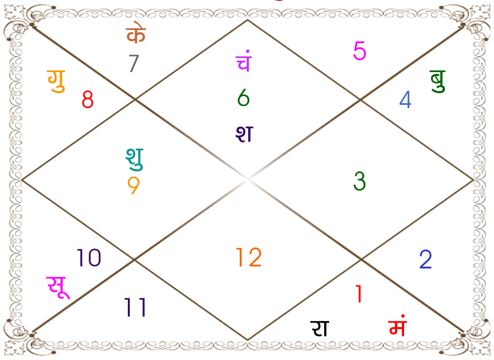

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शनि 13 वर्ष 8 मास 30 दिन

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
23/02/2003		**23/11/2016**		**24/11/2033**		**23/11/2040**		**23/11/2060**	
23/11/2016		**24/11/2033**		**23/11/2040**		**23/11/2060**		**24/11/2066**	
	23/02/2003	बुध	22/04/2019	केतु	22/04/2034	शुक्र	25/03/2044	सूर्य	13/03/2061
बुध	07/08/2003	केतु	18/04/2020	शुक्र	22/06/2035	सूर्य	25/03/2045	चंद्र	12/09/2061
केतु	14/09/2004	शुक्र	17/02/2023	सूर्य	28/10/2035	चंद्र	24/11/2046	मंगल	17/01/2062
शुक्र	15/11/2007	सूर्य	25/12/2023	चंद्र	28/05/2036	मंगल	24/01/2048	राहु	12/12/2062
सूर्य	27/10/2008	चंद्र	25/05/2025	मंगल	24/10/2036	राहु	24/01/2051	गुरु	30/09/2063
चंद्र	28/05/2010	मंगल	22/05/2026	राहु	11/11/2037	गुरु	24/09/2053	शनि	11/09/2064
मंगल	07/07/2011	राहु	09/12/2028	गुरु	18/10/2038	शनि	23/11/2056	बुध	19/07/2065
राहु	13/05/2014	गुरु	16/03/2031	शनि	27/11/2039	बुध	24/09/2059	केतु	24/11/2065
गुरु	23/11/2016	शनि	24/11/2033	बुध	23/11/2040	केतु	23/11/2060	शुक्र	24/11/2066

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
24/11/2066		**23/11/2076**		**24/11/2083**		**25/11/2101**		**25/11/2117**	
23/11/2076		**24/11/2083**		**25/11/2101**		**25/11/2117**		**00/00/0000**	
चंद्र	24/09/2067	मंगल	21/04/2077	राहु	06/08/2086	गुरु	13/01/2104	शनि	27/11/2120
मंगल	24/04/2068	राहु	10/05/2078	गुरु	30/12/2088	शनि	26/07/2106	बुध	24/02/2123
राहु	24/10/2069	गुरु	16/04/2079	शनि	06/11/2091	बुध	31/10/2108		00/00/0000
गुरु	23/02/2071	शनि	25/05/2080	बुध	25/05/2094	केतु	07/10/2109		00/00/0000
शनि	23/09/2072	बुध	22/05/2081	केतु	13/06/2095	शुक्र	07/06/2112		00/00/0000
बुध	23/02/2074	केतु	18/10/2081	शुक्र	12/06/2098	सूर्य	26/03/2113		00/00/0000
केतु	24/09/2074	शुक्र	18/12/2082	सूर्य	07/05/2099	चंद्र	26/07/2114		00/00/0000
शुक्र	25/05/2076	सूर्य	25/04/2083	चंद्र	06/11/2100	मंगल	02/07/2115		00/00/0000
सूर्य	23/11/2076	चंद्र	24/11/2083	मंगल	25/11/2101	राहु	25/11/2117		00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शनि 13 वर्ष 9 मा 11 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पुष्यनक्षत्र के द्वितीय चरण में कर्क लग्नोदयकाल हुआ था। उस क्षण मेदिनीय क्षितिज पर कर्क लग्न के साथ-साथ कन्या का नवांश एवं कर्क राशि का द्रेष्काण का भी उदय हुआ था। इस जन्म की आकृति से यह स्पष्ट होता है कि आपका जीवन आशानुरूप फलदायी होगा।

आप विश्वासी विलक्षण बुद्धि के कठिन परिश्रमी एवं दृढ़निश्चयी प्राणी है। आप निःसन्देह धन प्राप्ति के आकांक्षी हैं। परन्तु इसका अर्थ नहीं कि आप विश्वशघाती हैं। क्योंकि आप कभी भी किसी के साथ धोखा धड़ी अथवा कपटपूर्ण व्यवहार नहीं करेगें। आप मनोयोग पूर्वक, कठिन श्रम करके यथेष्ठ धन सम्पत्ति उपार्जित करेंगे। आप आर्थिक रूप से श्रेष्ठ सौभाग्यशाली हैं। आप सदैव (एक समान) यात्रा करके अनेक तीर्थस्थल का परिदर्शन करेंगे। आप आस्तिक हैं तथा आपको पूर्ण विश्वास है कि ईश्वर सर्वशक्तिमान है। आप धर्म ग्रन्थों का अध्ययन कर धर्म के सम्बंध में पूर्ण ज्ञान प्राप्त कर सार्वजनिक सेवक के रूप में प्रस्तुत रह कर, सेवा कर्म करेंगे।

आप पूर्णरूपेण आश्वस्त हैं कि आप धर्म मार्ग पर चलकर, विश्व में सफलता प्राप्त करेंगे। आप 36 वें वर्ष से बहुत बड़े भाग्यशाली होंगे।

आप गौरवर्ण के लम्बे दीर्घकाय प्राणी होंगे। आपके शरीर का उपरी भाग निचले भाग की अपेक्षा बहुत उन्नत एवं प्रभावशाली होगा। आपकी आकृति (स्वरूप) विस्तृत बड़ा मुँह, सुन्दर दाँतों से परिपूर्ण होगा।

बल्कि आपके जीवन के प्रारम्भ में कुछ दिनों तक आप शारीरिक रूप से सर्वोत्कृष्ट हो जाएंगे। परन्तु जीवन में एक लघु व्यवधान विद्यमान रहेगा। क्योंकि आपका क्षणिक उद्वेग एवं तनावपूर्ण मानस संभवतः हिस्टिरिया, मूर्छा एवं बेहोशीपन रोग को आमंत्रित कर सकता है। इसके विरूद्ध गम्भीर रूप से आपको सतर्कता बरतनी होगी। इसके अतिरिक्त आपको खान-पान पर भी नियंत्रण रखना पड़ेगा। क्योंकि आप अधिक भोजन करने वाले पेटू प्राणी हैं। आपको हर दशा में मध्यपान के उपयोग एवं लालच से बचना होगा।

आपका मैत्री का क्षेत्र विस्तृत होगा। वे लोग आपका सामान्य प्रतिभात्मक मनोवृत्ति के अनुरागी अर्थात् प्रशंसक होंगे। वे लोग हर दशा में आपको सहयोग एवं समर्थन प्रदान कर, आपके सुन्दर जीवन के प्रति शुभकांक्षी रहेंगे।

आप में बहुत सुन्दर गुण विद्यमान है अर्थात् विश्वसनीय, सतर्क तत्पर एवं कर्मठ कार्य कर्त्ता हैं। आप अविश्वसनीयता को त्याग कर लोगों के साथ अच्छा व्यवहार करेंगे। ऐसा संभव है कि आप आंशिक परिवर्तित होकर उत्तम मार्ग के अनुगामी होंगे।

आप अपनी पत्नी के प्रति पूर्णतः समर्पित व्यक्ति है। परन्तु आप परिवार नियोजन में विश्वास नहीं करते हैं। आप निःसन्देह अपनी पत्नी से प्यार करते हैं। परन्तु आप घरेलू मामलों में कोई हस्तक्षेप करना नहीं चाहते ताकि अपनी पत्नी के साथ कोई गलती न हो जाए।

आपके लिए उत्तम तो यह है कि आप उत्तेजनात्मक प्रवृति का परित्याग कर दें। अन्यथा परिणाम स्वरूप घर परिवार में अनुपयुक्त वैमनस्यता हो सकता है। यदि आपको अपनी पत्नी के सम्बंध में विचार करना हो तो यह देखें कि उसका जन्म लग्न या राशि वृश्चिक या मीन हो तो समझ ले कि आप उस लड़की के साथ सामंजस्य स्थापित कर सकते हैं।

सामन्यतया कर्क राशि प्राणी की प्रवृति एवं कार्यकलाप व्यवसायिक होती है। इनके लिए व्यवहारणीय पेशा वृत्ति नौसेना, जहाजरानी कार्य, सिंचाई, नहर एवं पुल निर्माण विभाग आदि अनुकूल होते हैं। ये स्वनिर्मित आत्मावलम्बी प्राणी होते हैं। यदि ये चाहें तो अपनी प्रतिष्ठा का विस्तार कर विश्वसनीय मंत्री या एक प्रशासनिक पदाधिकारी तक हो सकते हैं।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में शुक्रवार एवं शनिवार पूर्ण आनन्द प्रदायक नही होगा। मंगलवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन सफलता प्रदायक होगा। बुधवार का दिन चिन्तनीय एवं व्ययकारी होगा। परन्तु रविवार का दिन सचेत रहने योग्य है।

आपके लिए क्रीम, श्वेत, पीत एवं लाल रंग का व्यवहार उत्तम है परन्तु, हरा एवं ब्लू रंग सर्वथा त्यागनीय है। आपके लिए अंक 4 एवं 6 अंक अनुकूल है जबकि अंक 3 एवं 5 अंक अनुपयुक्त हैं।